प्राकृत भाषा में प्रमाण–पत्र	**कार्यक्रम कोड : सीपीएल**
Certificate in Prakrit Language	**Programme Code : CPL**

उद्देश्य (Objectives) :

- प्राकृत, आगम तथा इतर प्राकृत साहित्य का ज्ञान प्राप्त करना।
- प्राकृत से उद्भूत अपभ्रंश भाषा के विकास के प्रेरणा स्रोतों तथा राष्ट्रभाषा हिन्दी के आदि आधारों को समझना।
- राष्ट्रीय एकता की भावना को परिपुष्ट करना।
- लोकभाषा, लोकजीवन और लोकचेतना को गरिमा प्रदान करना।
- स्त्री जाति की प्रतिष्ठा और धार्मिक स्वतंत्रता को समझना।
- प्राणी मात्र की मूलभूत एकता की भावना को साकार करना।
- अप्रकाशित प्राकृत साहित्य का सम्पादन।
- शोध के नये आयाम उजागर करना।

प्रवेश योग्यता

(Admission Eligibility) : 18 वर्ष की आयु एवं साक्षर

अवधि (Duration) : न्यूनतम 6 माह ; अधिकतम 2 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 18

शुल्क (Fee) : रूपये 1000/– (एक हजार रूपये मात्र)

कार्यक्रम संरचना

(Programme Structure): इस कार्यक्रम में निम्नांकित तीन पाठ्यक्रम हैं :

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	प्राकृत साहित्य का इतिहास	सीपीएल–01	6
2.	प्राकृत गद्य–पद्य	सीपीएल–02	6
3.	प्राकृत व्याकरण (प्रारंभिक) एवं रचना	सीपीएल–03	6

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

न्यनूतम अवधि समाप्त होने के बाद विद्यार्थी को लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है।

सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी –

प्रथम श्रेणी	–	60 प्रतिशत एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48 प्रतिशत या अधिक एवं 60 प्रतिशत से कम
उत्तीर्ण	–	36 प्रतिशत या अधिक एवं 48 प्रतिशत से कम